पाठ – हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

हम पंछी उन्मुक्त गगन के
पिंजरबद्ध न गा पाएंगे,
कनक–तीलियों से टकराकर
पुलकित पंख टूट जाएंगे।

हम बहता जल पीनेवाले
मर जाएंगे भूखे प्यासे,
कहीं भली है कटुक निबौरी
कनक–कटोरी की मैदा से।

क) पक्षी क्यों नहीं गा पाएंगे?
ख) पक्षियों के पंख क्यों और कैसे टूट जाएंगे?
ग) कटुक निबौरी पक्षियों के लिए क्यों भाली है ?
घ) कवि पक्षियों के माध्यम से अपनी किस भावना को प्रकट करना चाहते हैं?
ड.) पर्यायवाची शब्द लिखो (दो–दो)
कनक, जल